'दिनकर की 'रश्मिरथी' एक सांस्कृतिक दस्तावेज है'-कथन की समीक्षा कीजिए।

3. खंडकाव्य की विशेषताएँ बताते हुए 'रश्मिरथी' की समीक्षा कीजिए। (18)

अथवा

'रश्मिरथी' की प्रतीक योजना एवं बिम्ब विधान को स्पष्ट कीजिए।

4. 'रश्मिरथी का नायक कर्ण दलित चेतना का प्रतिनिधि है'-कथन की विवेचना कीजिए। (18)

अथवा

'रश्मिरथी' की मूल संवेदना पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7603 **L**

Unique Paper Code : 2053100022

Name of the Paper : Rashmirathi

Name of the Course : **B.A. Hons. Hindi – DSE**

Semester : VIII

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: **(कोई तीन)** (12×3=36)

(क) "मैं कहता हूँ, अगर विधाता नर को मुट्ठी में भरकर,
कहीं छींट दे ब्रह्मलोक से ही नीचे भूमण्डल पर,
तो भी विविध जातियों में ही मनुज यहाँ आ सकता है,

नीचे हैं क्यारियाँ बनीं, तो बीज कहाँ जा सकता है।

"कौन जन्म लेता किस कुल में? आकस्मिक ही है यह बात,
छोटे कुल पर, किन्तु, यहाँ होते तब भी कितने आघात!
हाय, जाति छोटी है, तो फिर सभी हमारे गुण छोटे,
जाति बड़ी, तो बड़े बनें वे, रहें लाख चाहे खोटे?"

(ख) "सिर पर कुलीनता का टीका
भीतर जीवन का रस फीका,
अपना नाम जो ले सकते,
परिचय न तेज से दे सकते,
ऐसे भी कुछ नर होते हैं
कुल को खाते औ' खोते हैं
विक्रमी पुरुष लेकिन, सिर पर
चलता न छत्र पुरखों का धर,
अपना बल-तेज जगाता है,
सम्मान जगत् से पाता है।
सब उसे देख ललचाते हैं,
कर विविध यत्न अपनाते हैं।

(ग) "कुरुकुल की रानी नहीं, कुमारी नारी--
वह दीन, हीन, असहाय, ग्लानि की मारी!
सिर उठा आज प्राणों में झाँक रही है
तुझ पर ममता के चुम्बन आँक रही है।
"इस आत्म-दाह पीड़िता विषण्ण कली को,
मुझमें भुज खोले हुए दग्ध रमणी को,
छाती से सुत को लगा तनिक रोने दे,
जीवन में पहली बार धन्य होने दे।"

(घ) राधेय संगर से चला, मन में कहीं खोया हुआ,
जय-घोष की झंकार से आगे कहीं सोया हुआ
हारी हुई पाण्डव-चमू में हँस रहे भगवान् थे,
पर जीत कर भी कर्ण के हरे हुए-से प्राण थे
क्या सत्य ही, जय के लिए केवल नहीं बल चाहिए
कुछ बुद्धि का भी घातय कुछ छल-छद्म-कौशल चाहिए?

2. रामधारी सिंह दिनकर की काव्य-यात्रा पर प्रकाश डालिए। (18)

अथवा